ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, सोमवार 10 नवम्बर 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 195

दिल्ली में लाल किले के पास कार में धमाका: फोर्ट मेट्रो स्टेशन के पास पार्क थी कार, पास खड़ी दो गाड़ियां जलीं; हाई अलर्ट जारी

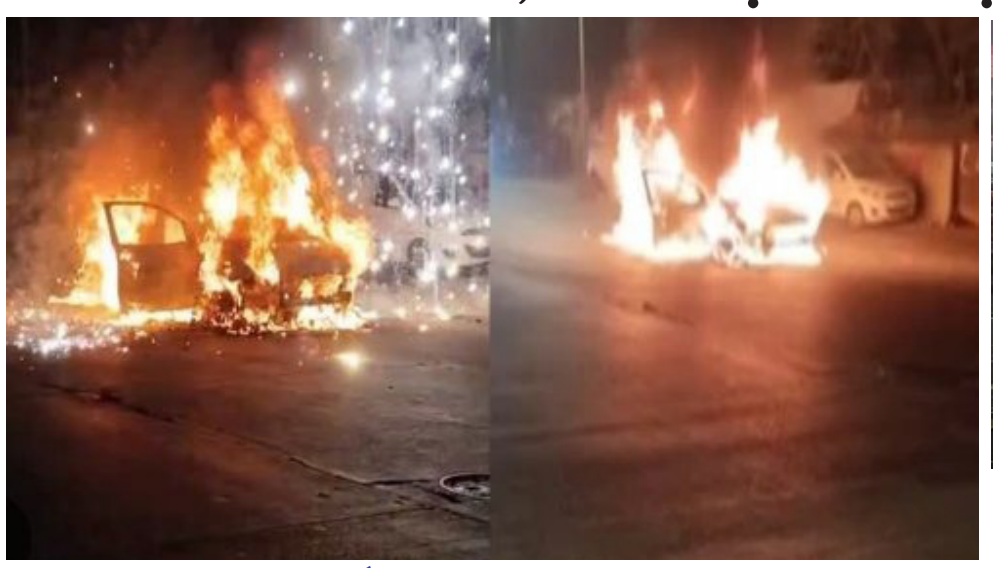

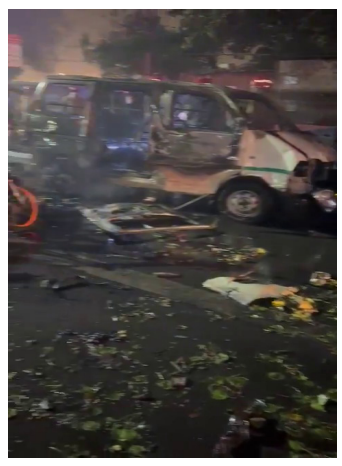

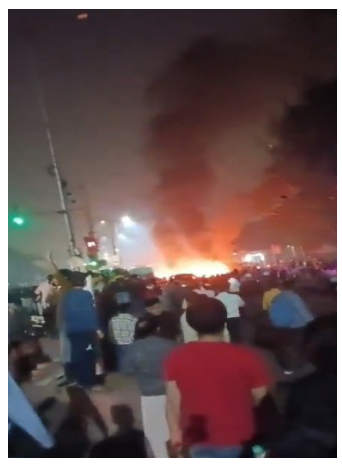

24 न्यूज अपडेट

दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास सोमवार को पार्किंग में खड़ी एक कार में अचानक धमाका हो गया। धमाके के बाद आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास खड़ी तीन और गाड़ियां भी जल गईं।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। फायर विभाग के अधिकारियों ने बताया कि धमाके के कारणों की जांच की जा रही है।

पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया है और फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर मौजूद है। आसपास के CCTV फुटेज खंगाले जा रहे हैं। दिल्ली में हाई अलर्ट जारी किया गया है।

दिल्ली में हाई अलर्ट जारी

धमाके के बाद दिल्ली पुलिस ने हाई अलर्ट जारी किया है।

धमाके से आसपास की दुकानों के शीशे टूटे

धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास की दुकानों के शीशे और दरवाजे-खिड़कियां टूट गईं, जिससे लोगों में दहशत फैल गई।

धमाके में 2-3 लोग घायल होने की खबर

धमाके में 2-3 लोगों के घायल होने की खबर है।दिल्ली फायर डिपार्टमेंट और दिल्ली पुलिस स्पेशल की टीमें मौके पर। मेट्रो स्टेशन के आसपास के पूरे इलाके के कॉर्डन ऑफ कर दिया गया है। फायर डिपार्टमेंट को 18.56 बजे धमाके की खबर मिली थी।

नया आधार एप लॉन्च, QR से डिटेल्स शेयर कर सकेंगे: फिजिकल कार्ड की जरूरत नहीं

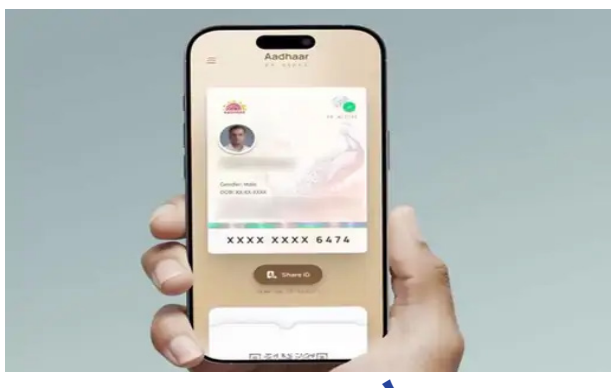

24 न्यूज अपडेट

यूनीक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी UIDAI ने आधार कार्ड का नया मोबाइल एप लॉन्च कर दिया है। इसके जरिए अब आप एक ही फोन में 5 आधार प्रोफाइल स्टोर कर सकते हैं। इसमें आधार की सिर्फ वही जानकारी शेयर करने का ऑप्शन है, जो जरूरी हो।

आप UPI में जिस तरह स्कैन कर पेमेंट करते है, उसी तरह आधार डिटेल्स शेयर कर सकते हैं। एप को ज्यादा सिक्योर बनाने के लिए इसमें फेस ऑथेंटिकेशन, बायोमेट्रिक लॉक जैसे फीचर्स जोड़े गए हैं।

नया एप पुराने एम आधार एप को रिप्लेस नहीं करता, बल्कि उसके साथ काम करता है। मतलब, कुछ काम के लिए पुराने वाले एप का ही इस्तेमाल करना होगा, कुछ के लिए नया।

फोन में आधार कैरी करें: ई-आधार हमेशा साथ रहेगा, पेपर कॉपी की जरूरत नहीं होगी।

फेस स्कैन शेयरिंग: ID शेयर करने के लिए फेस स्कैन करना होगा, पिन-OTP की तरह सेफ।

सिक्योर लॉगिन: बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन से एप ओपन होगा।

मल्टी लैंग्वेज सपोर्ट: हिंदी, इंग्लिश सहित कई भाषाओं में अवेलेबल।

ऑफलाइन यूज: इंटरनेट नहीं होने पर भी आधार देख सकेंगे।

तिरुपति लड्डू विवाद: उत्तराखंड की कंपनी ने 68 लाख किलो मिलावटी घी-मक्खन सप्लाई किया, 250 करोड कमाए



24 न्यूज अपडेट

तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (TTD) में मिलावटी प्रसाद मामले में नया खुलासा हुआ है। मंदिर में घी सप्लाई करने वाली उत्तराखंड की डेयरी ने 2019 से 2024 के बीच 250 करोड़ कीमत का 68 लाख किलो मिलावटी घी सप्लाई किया था।

सीबीआई और आंध्र प्रदेश फूड सेफ्टी विभाग की जांच में इसका खुलासा हुआ है। जांच के मुताबिक कंपनी के डेयरी वाले सभी डॉक्यूमेंट्स फर्जी हैं। इस कंपनी ने कभी भी न दूध खरीदा और न कभी मक्खन खरीदा फिर भी ये घी-मक्खन सप्लाई करती रही।

कंपनी के मालिक पम्मिल जैन और विपिन जैन ने घी प्रोडक्शन की फर्जी यूनिट बनाई थी। दूध-मक्खन खरीद के नकली बिल बनाए। मामले में एक और आरोपी अजय कुमार सुगंध ने भी पूछताछ में माना कि वह मोनोडिग्लिसराइड्स और एसेटिक एसिड एस्टर जैसे केमिकल सप्लाई करता था, जो मिलावटी घी बनाने में इस्तेमाल होते हैं।

TTD ने 2022 में शिकायतों के बाद भोले बाबा डेयरी को ब्लैकलिस्ट किया था। बाद में इसी ग्रुप ने दूसरी कंपनियों बनाईं और मंदिर में घी-मक्खन की सप्लाई जारी रही। इनमें वैष्णवी डेयरी (तिरुपति), माल गंगा डेयरी (उत्तर प्रदेश) और AR डेयरी फूड्स (तमिलनाडु) शामिल हैं।

घी में जानवरों की चर्बी की मिलावट

CBI और FSSAI की जांच में पता चला कि घी में जानवरों की चर्बी मिलाई गई थी। जुलाई 2024 में TTD ने AR डेयरी की चार टैंकर घी की खेप रिजेक्ट की, लेकिन ये टैंकर वापस लौटाने के बजाय वैष्णवी डेयरी के नाम पर ट्रांसफर कर दिए गए।

गुजरात की एक लैब की रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि AR डेयरी के घी में मछली का तेल, बीफ टैलो और लार्ड मिलाया गया था, हालांकि लैब ने 'फॉल्स पॉजिटिव' का डिस्क्लेमर भी जोड़ा था।

घोटाले में हवाला और राजनीतिक आरोपों की जांच

जांच में यह भी खुलासा हुआ कि 50 लाख की राशि छुपा कर ट्रांसफर की गई। ये राशि YSR कांग्रेस के सांसद व पूर्व TTD अध्यक्ष वाईभी सुभा रेड्डी के निजी सहायक के चिन्नप्पन्ना को दी गई।

दिल्ली में दो अलग-अलग ट्रांजैक्शन में 20 लाख एजेंट अमन गुप्ता से और बाकी राशि प्रीमियर एग्री फूड्स के अधिकारी विजय गुप्ता से मिली थी।

पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू का दावा है कि जानवरों के चर्बी वाला घी पिछली सरकार (YSR कांग्रेस) के समय लड्डू में इस्तेमाल हुआ। मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया जिसने स्पष्ट किया कि राजनीति और धर्म को मिलाना गलत है। कोर्ट ने जांच के लिए CBI, राज्य पुलिस और फूड सेफ्टी विभाग की संयुक्त टीम बनाने का आदेश दिया।

अधिकारियों से पूछताछ जारी

लड्डू में मिलावट की खबर से श्रद्धालुओं में गुस्सा है। अब सवाल उठ रहे हैं कि इतने सालों तक TTD के आंतरिक ऑडिट और जांच तंत्र कैसे चूक गए। CBI मंदिर ट्रस्ट और आंध्र प्रदेश डेयरी डेवलपमेंट विभाग के अधिकारियों से पूछताछ कर रही है।

अभिनेता धर्मेंद्र की हालत नाजुक, वेंटिलेटर पर रखे गए - डॉक्टर बोले: अगले 72 घंटे बेहद क्रिटिकल; सनी देओल की टीम ने कहा "घबराने की जरूरत नहीं"



24 न्यूज अपडेट

मुंबई, 10 नवंबर। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र की तबीयत सोमवार को अचानक बिगड़ गई। उन्हें तत्काल मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार धर्मेंद्र को सांस लेने में तकलीफ के चलते वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। डॉक्टरों की एक विशेष टीम लगातार उनकी सेहत की निगरानी कर रही है। चिकित्सकों ने बताया कि आगामी 72 घंटे उनके लिए बेहद अहम रहेंगे।

परिवार मौजूद, बेटियों को विदेश से बुलाया गया

धर्मेंद्र के परिवारजन अस्पताल में मौजूद हैं। पत्नी हेमा मालिनी भी पति से मिलने पहुंचीं। सूत्रों के अनुसार उनकी बेटियों को अमेरिका से बुलाया गया है। इसी बीच, अभिनेता सनी देओल भी अपने पिता का हाल जानने के लिए ब्रीच कैंडी अस्पताल पहुंचे। सनी देओल की टीम ने दी सफाई धर्मेंद्र की सेहत को लेकर चल रही अफवाहों के बीच सनी देओल की टीम की ओर से एक बयान जारी किया गया। बयान में कहा गया — "हमेशा की तरह यह सिर्फ अफवाहें हैं। सर बेहतर हो रहे हैं। वे ऑब्जर्वेशन में हैं, घबराने की कोई बात नहीं है।" टीम ने फैंस से अपील की है कि वे किसी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें।

फैंस ने की अच्छे स्वास्थ्य की कामना

धर्मेंद्र के प्रशंसक देशभर में उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। कई जगहों पर फैंस ने पूजा-अर्चना और दुआ की। सोशल मीडिया पर भी अभिनेता के स्वास्थ्य को लेकर लाखों शुभकामनाएं मिल रही हैं।

सोना 2,341 बढ़कर 1.22 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ: इस साल 46,279 महंगा हुआ; चांदी में 3,368 बढ़ोतरी, 1.52 लाख किलो बिक रही

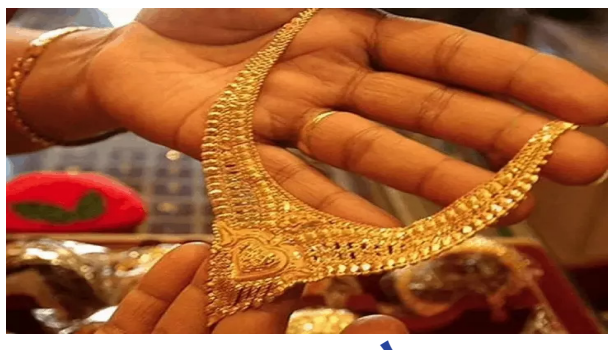

24 न्यूज अपडेट

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 10 नवंबर को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम सोना 2,341 रुपए बढ़कर 1,22,441 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 1,20,100 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

वहीं, चांदी 3,368 रुपए बढ़कर 1,51,643 रुपए प्रति किलोग्राम पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 1,48,275 प्रति किलोग्राम थी। 17 अक्टूबर को सोने ने 1,30,874 रुपए और 14 अक्टूबर को चांदी ने 1,78,100 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

सेंसेक्स 319 अंक चढ़कर 83,535 पर बंद: निफ्टी 25,600 के करीब; IT, मेटल और फार्मा शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही



24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार, 10 नवंबर को सेंसेक्स 319 अंक चढ़कर 83,535 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 82 अंक की तेजी रही, ये 25,574 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 में से 19 शेयरों में तेजी देखने को मिली। इंफोसिस के शेयर में सबसे ज्यादा 2.5% की तेजी रही। वहीं, ट्रेंट का शेयर 7.41% गिरकर बंद हुआ। जोमैटो और पावर ग्रिड में भी गिरावट रही।

निफ्टी के 50 शेयरों में 32 में तेजी रही। NSE के IT, मेटल और फार्मा शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही। मीडिया इंडेक्स में सबसे ज्यादा 1.04% की गिरावट रही।

ध्वस्त किया जाएगा दिल्ली का जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, बनाई जाएगी स्पोर्ट्स सिटी!

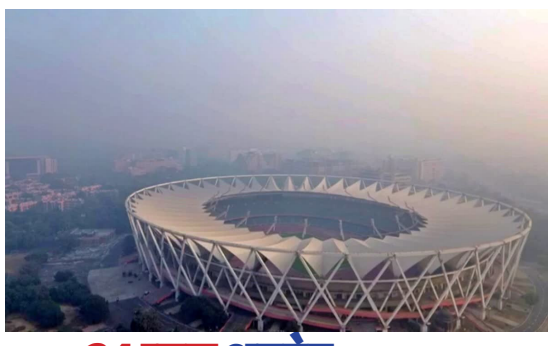

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली: देश की राजधानी में स्थित प्रतिष्ठित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम को ध्वस्त किया जाएगा और उस स्थान पर स्पोर्ट्स सिटी बनाई जाएगी. खेल मंत्रालय के सूत्र ने सोमवार को यह जानकारी दी. सूत्र ने बताया कि स्पोर्ट्स सिटी में सभी प्रमुख खेलों के लिए सुविधाएं होंगी और खिलाड़ियों के लिए आवास की सुविधा भी होगी. स्टेडियम के 102 एकड़ क्षेत्र का पुनर्निर्माण किया जाएगा, लेकिन अभी तक यह योजना केवल एक प्रस्ताव है और इसलिए परियोजना की समय-सीमा और अनुमानित लागत अभी तक तय नहीं की गई है.

मंत्रालय के सूत्र ने कहा, "स्टेडियम को ध्वस्त कर दिया जाएगा. परियोजना शुरू होने पर स्टेडियम के अंदर स्थित सभी कार्यालय, जिनमें राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (NADA), राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (NDTL) और आयकर विभाग शामिल हैं, को दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया जाएगा."

उन्होंने आगे कहा, "वर्तमान में स्टेडियम के अंतर्गत आने वाली 100 एकड़ से अधिक भूमि का अच्छी तरह से उपयोग नहीं हो रहा है. स्पोर्ट्स सिटी यह सुनिश्चित करेगी कि हमारे पास प्रमुख खेलों के लिए मेजबानी की सुविधाएं, प्रशिक्षण सुविधाएं, प्रतिस्पर्धा करते समय एथलीटों के लिए आवास की व्यवस्था हो और यहां तक कि मनोरंजन जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हों."

इस स्टेडियम में भारतीय खेल प्राधिकरण का मुख्यालय भी है, जो इस स्थल का मालिक है, तथा सरकार की प्रमुख खेलो इंडिया परियोजना का कार्यालय भी है.

स्पोर्ट्स सिटी परियोजना के लिए शहरी विकास मंत्रालय सहित कई मंत्रालयों और विभागों के बीच तालमेल की आवश्यकता होगी. प्रक्रिया लंबी होने के कारण, इस पर तुरंत काम शुरू होना संभव नहीं है. सूत्र ने कहा, "यह अभी एक विचार है, लेकिन देखते हैं कि व्यवहार्यता अध्ययन (FEASIBILITY STUDY) कैसे काम करता है. लेकिन मंत्रालय इस पर आगे बढ़ने को लेकर बहुत गंभीर है."

कतर और ऑस्ट्रेलिया की तर्ज पर स्पोर्ट्स सिटी

सूत्र के मुताबिक, कतर और ऑस्ट्रेलिया के खेल शहरों का मूल्यांकन किया जा रहा है ताकि तौर-तरीकों को अंतिम रूप दिया जा सके. खेल मंत्री मनसुख मांडविया हाल ही में दोहा में थे. रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने वहां खेल शहर का दौरा किया.

दोहा स्पोर्ट्स सिटी 617 एकड़ में फैली हुई है. इसमें एक अकादमी के अलावा फुटबॉल, एक्वेटिक्स और 13 विभिन्न इनडोर खेलों की सुविधाएं उपलब्ध हैं. इसमें एक विशेष ऑर्थोपेडिक और स्पोर्ट्स मेडिसिन अस्पताल भी है.

ऑस्ट्रेलिया की बहुउद्देशीय सुविधाओं में मेलबोर्न स्थित डॉकलैंड्स स्टेडियम शामिल है, जो क्रिकेट, फुटबॉल, रग्बी और सॉकर की मेजबानी कर सकता है.

अहमदाबाद का सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भी एक उदाहरण है, जहां क्रिकेट, तैराकी, टेनिस और एथलेटिक्स जैसी कई अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं. यह 250 एकड़ में फैला है और 4600 करोड़ रुपये की लागत से बना है. अहमदाबाद शहर वर्तमान में 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए बोली लगा रहा है और इस महीने के अंत में 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी भी इसे मिल जाएगी.

सूत्र ने कहा, "जेएलएन परियोजना भी बड़े पैमाने पर होगी. इस परियोजना से यह सुनिश्चित होगा कि जेएलएन के अंदर जो मौजूदा बुनियादी ढांचा ढह रहा था, उसका पुनर्निर्माण हो सकेगा."

संपादकीय : उड़ान में अड़चन

प्रौद्योगिकी के इस दौर में आज अधिकतर कार्य तकनीक के जरिए होने लगे हैं। घरों की साफ-सफाई से लेकर दफ्तर के कार्यों में मशीनों की मदद ली जा रही है। यानी हम तकनीक पर इतने ज्यादा निर्भर हो गए हैं कि उसमें जरा-सी खराबी आने पर सारी व्यवस्था ठप पड़ जाती है। इसमें दोराय नहीं कि तकनीक का इस्तेमाल आज के समय की जरूरत है, लेकिन सुरक्षात्मक और वैकल्पिक उपायों का होना भी बेहद जरूरी है, नहीं तो दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार को जो स्थिति उत्पन्न हुई, उस तरह का संकट पैदा होना स्वाभाविक है। गौरतलब है कि तकनीकी स्वामी के कारण यहां आठ सौ से अधिक घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में विलंब हुआ और कुछ उड़ानें रद्द कर दी गईं, जिससे यात्रियों को खासी परेशानी हुई। प्रभावित उड़ानों में आगमन और प्रस्थान दोनों शामिल थीं। शुरू में इसे साइबर हमले से जोड़कर देखा जा रहा था, मगर बाद में सरकार और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि 'आटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम' (एएमएसएस) में तकनीकी गड़बड़ी की वजह से यह समस्या उत्पन्न हुई। सवाल है कि ऐसी स्थिति से निपटने के लिए हवाई अड्डे पर पहले से माकूल वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई थी ? दरअसल, एएमएसएस वह प्रणाली है, जिससे हवाई यातायात नियंत्रित होता है। इसमें किसी भी तरह की तकनीकी खराबी आने से उड़ानों की आवाजाही प्रभावित होना तय है। इससे न केवल विमान यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ती है, बल्कि हवा में उड़ रहे विमानों के लिए भी जोखिम की स्थिति पैदा हो सकती है। दिल्ली हवाई अड्डे पर इस तकनीकी खामी के कारण विमानों की उड़ान में पचास मिनट से एक घंटे तक की देरी हुई। इस कारण बोर्डिंग गेट के पास यात्रियों की लंबी कतारें लग गईं। हवाई अड्डे पर यात्रियों को उनकी उड़ान के पुनर्निधारित समय की सूचना देने की उचित व्यवस्था का अभाव भी साफ नजर आया। सवाल है कि ऐसी स्थिति में यात्री परेशान न हों या अफरा- तफरी का माहौल पैदा न हो, इसके लिए पर्याप्त इंतजाम करने की जरूरत क्यों महसूस नहीं की जाती है ? संचालन का कार्य संभालने वाली कंपनी की क्या यह जिम्मेदारी नहीं है कि वह किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एहतियाती व्यवस्थागत इंतजाम करने को प्राथमिकता दे । दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से प्रतिदिन 1,500 से अधिक उड़ानों का संचालन होता है यह तथ्य भी सामने आया है कि इस हवाई अड्डे पर दो दिनों से हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में रुक-रुक कर तकनीकी समस्याएं आ रही थीं और शुक्रवार सुबह यह प्रणाली लगभग ठप पड़ गई। यानी संबंधित अधिकारियों को इसका पहले से अंदेशा था कि इस प्रणाली में ज्यादा तकनीकी अड़चन आ सकती है। इसके बावजूद न तो इस खामी को समय पर दुरुस्त किया जा सका और न ही वैकल्पिक उपायों को चुस्त-दुरुस्त किया गया। तकनीकी खराबी के बाद हवाई यातायात नियंत्रक उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर गैर कंप्यूटरीकृत तरीके से काम कर रहे थे, जिसमें समय लगने के कारण उड़ानों में देरी हुई और यह सिलसिला पंद्रह घंटे से अधिक समय तक चलता रहा। जाहिर है, इस अव्यवस्था की हर कोण से जांच कराने की जरूरत है। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस घटना से सबक लेकर खासतौर पर तकनीकी व्यवस्थाओं को दुरुस्त कर हर स्तर पर सतर्कता बरती जाएगी, ताकि भविष्य में यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो।

अराजकता की हद

हरियाणा के हिसार में एक पुलिसकर्मी की हत्या कानून से बेखौफ और हिंसक होते माहौल की त्रासद हकीकत है। लोगों और खासतौर पर युवाओं के बीच सुनने, समझने एवं सोचने की प्रवृत्ति इस कदर कम देखी जा रही है। कि उचित सलाह या मनाही के बाद उस पर विचार करने के बजाय वे तुरंत आक्रामक हो जाते हैं। लोग अपनी मनमानी के आगे दूसरों की मुश्किलों पर गौर करना जरूरी नहीं समझते। यह सामाजिक सरोकार में बड़ी गिरावट है, लेकिन इसकी एक वजह सरकार की वह नाकामी भी है, जिसमें कानून का खौफ हर जरूरी जगह पर नहीं दिखता। अव्वल तो यह व्यक्ति की अपनी समझ होनी चाहिए कि उसकी गतिविधियों से किसी को परेशानी तो नहीं हो रही, लेकिन विडंबना यह है कि गलत करने पर रोकने या समझाने- बुझाने पर आजकल लोग इस कदर उग्र हो उठते हैं कि वे किसी की जान लेने से भी नहीं कतराते। हिसार में एक पुलिस उपनिरीक्षक ने सिर्फ इतना भर किया था कि उन्होंने घर के आगे हंगामा कर रहे लोगों को रोकने की कोशिश की थी। उनके डांटने पर युवक चले गए, लेकिन बाद में आकर उपनिरीक्षक पर ईंटों से हमला कर उनकी हत्या कर दी। यह अफसोसनाक है कि आजकल गलत कार्यों पर टोकने भर से कुछ सामान्य उत्पाती जघन्य अपराध करने से भी नहीं हिचकते हैं। अनेक वजहों से सामाजिकता के कमजोर होते तंतु और सोचने-समझने की भटकती दिशा ने खासतौर पर बहुत सारे युवाओं को उत्तेजना और उन्माद को ही सच मानने की राह पर ला दिया है। इसके समांतर पुलिस और कानून-व्यवस्था का खौफ शायद ही कहीं दिखता है, ताकि युवाओं के बीच अपराध की ओर बढ़ते कदम रुक सकें। ऐसी स्थिति में किसी भी वजह से एक जगह जमा हुए कुछ युवक न केवल दूसरे की सुविधाओं या परेशानियों को नजरअंदाज करते हैं, बल्कि अराजकता को अपना हक समझने लगते हैं। जब इसके परिणाम के तौर पर कोई जघन्य अपराध घटित हो जाता है, तब जाकर पुलिस और प्रशासन की नींद खुलती है, लेकिन यह महज जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ने तक सीमित होकर रह जाती है। सवाल है कि लगातार चिंता पैदा करने वाली इस सूरत के लिए कौन जिम्मेदार है और इसका भुक्तभोगी आखिर कौन होगा !

भारी न पड़ जाए यूडीए का 'राहु-ल काल', नेताओं के इशारे पर छिपा रहे सच्चाई।

प्रेसनोट से उठे गंभीर सवाल



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। क्या यूडीए के आयुक्त राहुल जैन केवल राजनेताओं और नौकरशाहों की खास लॉबी के लिए काम कर रहे हैं? क्या जनता के प्रति उनकी कोई जवाबदेही नहीं बची है? या फिर वे खुद सोचकर बैठे हैं कि लेकसिटी उदयपुर की जनता महामूर्ख है कृ यहां गधे बसते हैं, जिन्हें जैसे चाहो हांका जा सकता है? जो कहेंगे, वो मान लेंगे! बच्चों जैसी दलीलें देकर खुद अपनी और अपने मातहतों की करतूतों पर पर्दा डाल देंगे?

नेता कमाए माल, अफसर भी हो रहे मालामाल, जनता कंगाल ये कैसा नेक्सस है जिसमें नेता कब्जे करवा रहा है, सत्ताधारी दल के कुछ सफेदपोश राजनेता भूमाफिया की भूमिका में मोटा माल कमा रहे हैं। अफसर उनके गुलाम बनकर दुम हिलाते हुए हुक्म बजा रहे हैं। भांडा फूट जाने के बाद भी ढीठाई के साथ अपनी बेगुनाही का सुबूत दे रहे हैं! उनकी अपनी जवाबदेही तो छोड़िए, वे ऐसे-ऐसे तर्क दे रहे हैं जिनसे खुद उन पर सवाल उठ रहे हैं।

जमीनों के सर्कस में हंटर पर नाच रही जनता

आज यूडीए ने जो प्रेस नोट इस मामले में जारी किया है, उसका हम सिलसिलेवार पोस्टमार्टम करते हुए उदयपुर की जनता को बताएंगे कि जनता के साथ कैसा खुला खेल खेला जा रहा है। अफसरों ने सिस्टम को मज़ाक और सर्कस बनाकर रख दिया है जिसमें जनता हंटर पर नाचती दिखाई दे रही है। अब इस प्रेस नोट को देखिए -ये आज यूडीए ने अपनी सफाई में जारी किया है। अफसर राहुल जैन खुद मौनी बाबा बन गए हैं। इतने दिन से लोग सवाल पूछ रहे हैं, उनके दफ्तर पर किवाड़ तोड़ प्रदर्शन हो रहे हैं, जनता लानत पर लानत भेज रही है मगर तब उनकी जुबान नहीं खुल रही थी। आज बहुत ज्यादा फजीहत के बाद उनका डैमेज कंट्रोल के लिए यह सफाईनामा आया है। कुछ मीडिया चैनलों पर उनके प्रायोजित इंटरव्यू आ रहे हैं ताकि सच को छिपाने का प्रयास किया जा सके। प्रेस नोट का पहला पैरा ध्यान से पढ़िए -यूडीए को फील्ड भ्रमण और मीडिया से अतिक्रमण का पता चला! सवाल ये उठता है कि अफसर कौन सा फील्ड भ्रमण कर रहे थे कि उन्हें मकान तक नहीं दिखे? क्या रिश्वत खाकर मकान बनवाए थे? क्या रिश्वत का पैसा नेताओं में बंटा था? कुछ तो बताइए राहुल जी! आपके अफसरों को मोतियाबिंद हो गया है क्या कि इतने बड़े निर्माण नहीं दिखे?

अवैध निर्माण देखे, गिराए नहीं, चुप रहने के कितने नकद लिए?

अब आते हैं तीसरे बिंदु पर -ये कह रहे हैं कि आठ साल से कब्जे थे! तो आठ साल में मकान कैसे बन गए राहुल जी? आप जवाब क्यों नहीं देते? किसने नकदी गिनी और यूडीए अफसरों के हाथ रंग दिए थे कि उन्होंने तत्काल अवैध निर्माण नहीं गिराए?

चौथे बिंदु पर आते हैं - यहां साफ झूठ बोला जा रहा है कि "उक्त मकानों में कोई नहीं रह रहा था।" आप खुद सुनिए क्या कह रहे हैं वहां रहने वाले... बिंदु संख्या पाँच को देखिए कृ कह रहे हैं कि "यहां पर बिजली व पानी के कनेक्शन जारी किए गए।" अब हमारा सवाल है यूडीए आयुक्त राहुल जैन से -जब कनेक्शन हुए, तब आपका निरीक्षण दस्ता कौन सा खंभा उखाड़ रहा था?

जब यहां पानी की टंकी बनी, तब आपके ऑफिस के किन-किन कर्मचारियों के घरों पर पैसों की बारिश से टंकियां भर गईं -जरा अपने मातहतों को बुलाकर पूछिए, इतना डरते क्यों हैं आप?

दूसरों पर दोषारोपण करने से पहले खुद अंतरात्मा से पूछिए कि जहां इतना सब हो गया, वहां यूडीए का अमला क्या कर रहा था?

कहीं सेटिंग तो नहीं कर रहा था? जिसको करने के आरोप उस पर बरसों से लगते आ रहे हैं?

तखतसिंहजी का नाम क्यों छिपाया, क्या किसी का इशारा था??

अब आते हैं बिंदु संख्या 6 पर -इसमें बताया गया है कि कैश पैसों के एग्रीमेंट में लाखों का लेन-देन हुआ। लेने-देने वाले को भी पता था कि यह सरकारी ज़मीन है। साथ ही उन लोगों के नामों का भी सार्वजनिक उल्लेख किया है जिनके नाम पर एग्रीमेंट हुए थे। यहां बहुत सफाई से यूडीए आयुक्त राहुल जैन ने भाजपा पदाधिकारी तखतसिंह का नाम छिपा लिया। जबकि जमीन पर बसने वाले लोग साफ कह रहे हैं कि तखतसिंहजी की यहां 20 प्लॉट जितनी जमीन है! तो राहुलजी क्या तखतसिंहजी को बचाना चाह रहे हैं? या उनके कहने पर यह प्रेस नोट जारी करवा रहे हैं? यह जांच का विषय है। क्या तखतसिंहजी का नाम नहीं लेने के कोई राजनीतिक निर्देश थे? यदि थे तो यह खुलासा होना चाहिए कि गरीबों को झांसा देने वालों को बचाने का काम भाजपा में कौन कर रहा है, जो राजस्थान की शुचिता वाली सरकार को भी बदनाम करने का खेल खेल रहा है।

विधायक की बात को झूठा पटक रहे अफसर

अंत में पूरे प्रेस नोट में सभी कब्जों को अवैध बताया गया है, जबकि खुद उदयपुर के ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा कह रहे हैं कि 2023 से पहले के कब्जे बरकरार रहेंगे। तो क्या यूडीए आयुक्त किसी "खास हाथ" के निर्देश पर नजरअंदाज कर रहे हैं?

ऐसा लगता है - सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को जा रही है! जो लोग अतिक्रमण करवाने के जिम्मेदार हैं, उन पर कार्रवाई की कोई बात नहीं कर रहे हैं आयुक्त राहुल जैन।

यही नहीं, वे एग्रीमेंट करवाने वालों पर भी एफआईआर की बात नहीं करके भाजपा नेता तखतसिंह व उनके जैसे कई गुमनाम लोगों को बचाने का खेल खेल रहे हैं।

यही हाल रहा तो एक दिन यूडीए दफ्तर पर हो जाएंगे कब्जे?? यह आयुक्त साहब की प्रशासनिक जिम्मेदारी है कि दूध का दूध, पानी का पानी हो। क्योंकि अगर ऐसे ही हालात रहे तो वो दिन दूर नहीं जब यूडीए के ऑफिस में ही कब्जे हो जाएंगे।

और आठ साल बाद आयुक्त प्रेस नोट जारी करके ऐसे ही सफाईनामा पेश करेंगे!

खैर, जो भी हो, अब महाराणा प्रताप की धरती जो कण-कण में शौर्य के लिए रोमांचित कर देने वाली थी, अब लालची अफसरों, नेताओं और भू-माफियाओं की लूट की धरती बन गई है। ये पहाड़ खा गए, नदियां पी गए, तालाबों को सुखाकर कब्जे कर लिए कृ मगर इनका मन अभी भरा नहीं है! अगर अब भी जनता नहीं जागी, तो आने वाली पीढ़ियां हमारी इस लाचार पीढ़ी को कभी माफ नहीं करेंगी।

यूडीए की कार्रवाई पर भड़की कांग्रेस, गेट पर धक्का-मुक्की, पुलिस से तीखी नोकझोंक, कमिशन''र साहब हो गए नदारद



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए) की ओर से सविना खेड़ा क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई अब राजनीतिक रंग लेने लगी है। भाजपा नेताओं पर गरीबों के सपनों को सौंदने के गंभीर आरोपों के बाद भी अब तक भाजपा ने ना तो कोई आंतरिक जांच की है, ना ही गंदी मछलियों को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया है। इससे अंदरखाने भी असंतोष है, कर्मठ कार्यकर्ता परेशान है कि आखिर कोई जमीन माफिया बनकर पार्टी की शूचिता और महान रीति-नीतियों से खुलेआम कैसे खेल कर सकता है? इस बीच कांग्रेस अब इस मामले में खुलकर मैदान में आ गई है। नेताओं को फेस करने की बजाय यूडीए आयुक्त आज अपने ऑफिस से ही नदारद हो गए। जबकि अगर वे सही हैं व कार्रवाई जायज है तो पुरजोर तरीके से वे दस्तावेजों सहित अपनी बात रख सकते है। आयुक्त पर आरोप है कि राजनीतिक संरक्षण में नेताओं के लिए काम करते हैं। बिना अनुमति से बनी होटलों रिसोर्टों को जब्त करके छोड़ देते हैं तोड़फोड़ की कोई कार्रवाई नहीं करते। नेताओं का इशारा होते ही गरीबों का आशियाना उजाड़ने में देर नहीं लगाते। आयुक्त इतने आरामपसंद हैं कि इनके कार्यकाल में बहुमंजिलों इमारतें बन जाती हैं बिना अनुमति के और करोड़ों खर्च होने के बाद ये कार्रवाई का आदेश देते हैं। याने पूरा का पूरा सिस्टम पॉलिटिकली मोटीवेटेड है, नियमों का धुआं उड़ रहा है। कार्रवाई आयुक्त सहित सभी कर्मचारियें पर भी होनी चाहिए जिन पर अतिक्रमण नहीं होने देने का जिम्मा है लेकिन राजनीतिक आकाओं के दम पर ये कुर्सी और मलाई दोनों का आनंद लेते दिखाई दे रहे हैं। सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। यूडीए कार्यालय के बाहर कांग्रेसजनों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की और नारेबाजी के दृश्य देखे गए। कांग्रेस कार्यकर्ता यूडीए कार्यालय के मुख्य गेट से अंदर घुसने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। दो बार कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया, जिस पर पुलिसकर्मियों ने धक्का देकर उन्हें पीछे किया। कुछ कार्यकर्ता गेट पर चढ़ गए तो पुलिस ने तुरंत उन्हें नीचे उतरने को कहा।

कमिश्नर से मिलने पर अड़े रहे कांग्रेस कार्यकर्ता

प्रदर्शन के दौरान शहर कांग्रेस अध्यक्ष फतह सिंह राठौड़ और देहात अध्यक्ष कचरूलाल चौधरी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे यूडीए कमिश्नर राहुल जैन से ही मिलना चाहते हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कमिश्नर कार्यालय में नहीं हैं, ज्ञापन सचिव को सौंप दें, लेकिन कार्यकर्ता इस पर अड़ गए। लंबी नोकझोंक के बाद यूडीए सचिव हेमेंद्र नागर मौके पर पहुंचे, जहां कांग्रेस नेताओं ने उन्हें ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सविना खेड़ा क्षेत्र में की गई कार्रवाई बिना नोटिस के की गई, जिससे गरीब परिवारों के घर और प्लॉट उजाड़ दिए गए।

भाजपा पर लगाया पक्षपात का आरोप

फतहसिंह राठौड़ ने कहा कि भाजपा शासन में प्रशासन आम लोगों के साथ अन्याय कर रहा है। उन्होंने मांग की कि कार्रवाई में शामिल अधिकारियों और भाजपा नेताओं की भूमिका की जांच की जाए। उन पर एफआईआर करवाएं।

कई कांग्रेस नेता रहे मौजूद

प्रदर्शन में कांग्रेस नेता दिनेश श्रीमाली, सुरेश श्रीमाली, पंकज शर्मा, केके शर्मा, शंकर चंदेल, अरुण टांक, मोहसिन खान, फिरोज शेख, सिद्धार्थ सोनी, नजमा मेवाफरोश और शांता प्रिंस सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

चार दिन पहले तोड़ा गया था सविना खेड़ा का अतिक्रमण

यूडीए ने हाल ही में सविना खेड़ा क्षेत्र में सरकारी जमीन पर बने अवैध निर्माणों को हटाते हुए कार्रवाई की थी। प्राधिकरण के अनुसार, यह जमीन सरकारी थी जिस पर कुछ लोगों ने कब्जा कर पक्के निर्माण कर लिए थे। वहीं कांग्रेस का कहना है कि यह कार्रवाई गरीबों के घर उजाड़ने और बिना पूर्व सूचना के की गई।

नामी ब्रांड्स की फ़्रैंचाइज़ी दिलाने के बहाने लाखों का चूना लगा रहे साइबर अपराधी - राजस्थान पुलिस

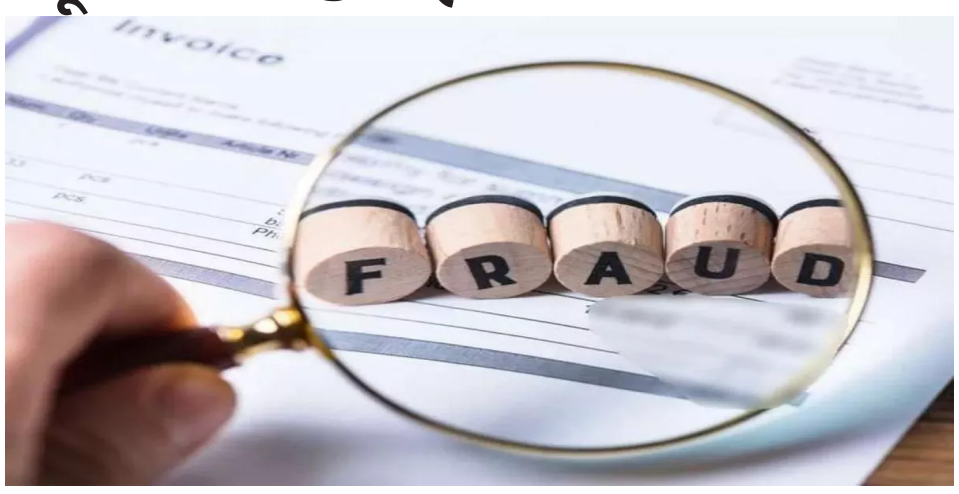

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 10 नवंबर। राजस्थान पुलिस के महानिदेशक श्री राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार पुलिस मुख्यालय की साइबर क्राइम शाखा द्वारा अतिरिक्त महानिदेशक श्री वी.के. सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत आमजन को बड़े और भरोसेमंद व्यापारिक ब्रांड्स की डीलरशिप या फ़्रैंचाइज़ी दिलाने के नाम पर हो रही धोखाधड़ी के प्रति सचेत किया है।

उपमहानिरीक्षक पुलिस साइबर क्राइम श्री विकास शर्मा ने बताया कि साइबर अपराधी आकर्षक ऑफर और स्कीम का लालच देकर, रजिस्ट्रेशन फीस, सिक्योरिटी डिपॉज़िट और एनओसी शुल्क के नाम पर पैसे ऐंठ रहे हैं। साइबर ठग इस अपराध को अंजाम देने के लिए एक संगठित तरीका अपनाते हैं। ये अपराधी मोबाइल कॉल, ईमेल, या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से लोगों से संपर्क कर खुद को संबंधित कंपनी का उच्च अधिकारी बताते हैं।

इसके बाद आकर्षक स्कीम बताकर और डीलरशिप/फ़्रैंचाइज़ी की उपलब्धता सीमित होने का हवाला देकर जल्दी निर्णय लेने का दबाव बनाते हैं। रजिस्ट्रेशन फीस, सिक्योरिटी डिपॉज़िट, या एनओसी शुल्क जैसी विभिन्न शुल्कों की तुरंत मांग करते हैं और उन्हें बताए गए बैंक खाते में जमा करने को कहते हैं।

जैसे ही राशि जमा होती है, साइबर ठग अपने फ़ोन नंबर या ईमेल पर जवाब देना बंद कर देते हैं, तब पीड़ितों को ठगी का एहसास होता है।

राजस्थान पुलिस की आमजन को महत्वपूर्ण सलाह

साइबर धोखाधड़ी से बचने के लिए राजस्थान पुलिस ने निम्न सुरक्षा उपाय अपनाने की सलाह दी है:

₹ हमेशा डीलरशिप या फ़्रैंचाइज़ी की जानकारी के लिए सीधे ब्रांड की आधिकारिक
वेबसाइट पर ही जाएं, सोशल मीडिया पर दिखने वाले विज्ञापनों पर तुरंत भरोसा न करें।

₹ यदि कोई व्यक्ति आपको कॉल करता है, तो उसके नाम, पद, और कर्मचारी आईडी की पुष्टि कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट से अवश्य करें।

₹ केवल कंपनी के आधिकारिक डोमेन से आने वाले ईमेल पर ही विश्वास करें।

₹ धनराशि देने से पहले व्यक्तिगत रूप से कंपनी के आधिकारिक कार्यालय में जाकर पूरी प्रक्रिया और दस्तावेज़ों की पुष्टि करें।

₹ धनराशि हमेशा कंपनी के नाम वाले चालू खाते में ही भेजें, किसी व्यक्तिगत बचत खाते में कभी नहीं।

₹ अगर मुनाफा या डील अविश्वसनीय रूप से आकर्षक लग रही है, तो समझ लें कि यह एक धोखाधड़ी का जाल हो सकता है।

ठगी का शिकार हो जाते हैं तो क्या करें

डीआईजी श्री शर्मा ने बताया कि यदि आप इस प्रकार की धोखाधड़ी का शिकार हो जाते हैं तो तुरंत अपने बैंक को तुरंत इस धोखाधड़ी की सूचना दें ताकि ट्रांसेक्शन को रोका जा सके।

इसकी सूचना तुरंत निकटतम पुलिस स्टेशन / साइबर पुलिस स्टेशन पर दे, भारत सरकार के साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल HTTPS://CYBERCRIME.GOV.IN पर शिकायत दर्ज करें। साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 या साइबर हेल्पडेस्क नंबर 9256001930 और 9257510100 पर कॉल करें।

राजस्थान विद्यापीठ में नवाचार और विकास की दिशा में बड़ा कदम - 11 नए पाठ्यक्रमों को मिली मंजूरी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 10 नवम्बर। जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) में सोमवार को प्रतापनगर स्थित कुलपति सचिवालय सभागार में रिसर्च बोर्ड, एकेडमिक काउंसिल और वित्त समिति की बैठकें कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुईं। बैठकों में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, अनुसंधान और विकास संबंधी कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए।

बैठक की शुरुआत में पिछली बैठक के कार्यवृत्त को स्वीकृति दी गई। कुलपति प्रो. सारंगदेवोत ने बताया कि भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) के वेस्ट ज़ोन कुलपतियों की मीट आगामी 17-18 मार्च को उदयपुर में आयोजित की जाएगी। साथ ही उन्होंने घोषणा की कि विश्वविद्यालय के सभी विभाग अपने-अपने विकास योजनाएँ (Development Plans) तैयार करेंगे और तीनों परिसरों में अनुसंधान एवं विकास केंद्र (R&D Centres) स्थापित किए जाएंगे। इतिहास विभाग द्वारा आदिवासी इतिहास लेखन और भील समाज पर शोध कार्य किए जाने की रूपरेखा भी तय की गई। प्रतापनगर परिसर में ओपन थिएटर निर्माण का निर्णय लिया गया, ताकि विद्यार्थियों को सांस्कृतिक और रचनात्मक अभिव्यक्ति का खुला मंच मिल सके।

प्रो. सारंगदेवोत ने यह भी बताया कि 25 नवम्बर को भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन राजीव गांधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (RGNIIPM) के सहयोग से आईपीआर (Intellectual Property Rights) पर ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की जाएगी। साथ ही, प्रतापनगर परिसर में शीघ्र ही एक हेरिटेज कॉरिडोर विकसित किया जाएगा, जो विद्यापीठ की ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित और प्रदर्शित करेगा।

बैठक में कुल 11 नए पाठ्यक्रमों को स्वीकृति दी गई। साथ ही, पूर्व के शोध ग्रंथों को पुनः प्रारंभ करने और सभी संकाय सदस्यों को यूजीसी निर्देशानुसार चारों क्वाड्रेंट्स के ई-कंटेंट तैयार करने का भी आह्वान किया गया। बैठक में आईक्यूएसी (IQAC) द्वारा प्रस्तुत सुझावों, प्रस्तावों और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP-2020) के अनुरूप पाठ्यक्रम संचालन पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. तरुण श्रीमाली, यूजीसी नामिनी डॉ. कामेशकांत आचार्य, डॉ. बी.एस. राठौड़, प्रो. जी.एम. मेहता, प्रो. प्रताप सिंह चौहान, प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत, डॉ. श्याम सिंघवी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पारस जैन सहित विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर और विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

प्रमुख बिंदु:

11 नए पाठ्यक्रमों को स्वीकृति
वेस्ट ज़ोन कुलपति मीट 17-18 मार्च को
आईपीआर कार्यशाला 25 नवम्बर को
प्रतापनगर में ओपन थिएटर और हेरिटेज कॉरिडोर का निर्माण
सभी विभागों को विकास योजनाएँ तैयार करने के निर्देश

लेकसिटी दिवाली कप ओपन शतरंज प्रतियोगिता 2025 संपन्न
मितांश साहू, पौषिता एवं पुरंजय चौधरी बने ओवरऑल चैंपियन

24 न्यूज अपडेट

सीआईएल इंटरनेशनल स्कूल ऑफ चेस द्वारा आयोजित लेकसिटी दीवाली कप ओपन शतरंज प्रतियोगिता 2025 का भव्य आयोजन सेक्टर 4 स्थित सेंट एंथोनी स्कूल में संपन्न हुआ । आयोजन सचिव व प्रशिक्षक विकास साहू ने बताया कि टूर्नामेंट में 3 ग्रुप बनाए गए थे प्रतियोगिता में लेकसिटी उदयपुर के खिलाड़ियों के साथ-साथ जालौर, जयपुर, अजमेर , बांसवाड़ा, सिरोही, भीलवाड़ा के खिलाड़ियों ने भी हिस्सा लिया, कार्यक्रम के समापन समारोह के अतिथि के रूप में निलेश कुमावत, कपिल साहू,भावेश पंडियार ,ललित जी , कुशल पटेल, सिद्धार्थ जैन सहित अतिथियों ने विजेताओं को पुरस्कार वितरण किए गए इस प्रतियोगिता का कुल 60,000 नगद इनाम एवं ट्रॉफियों सहित 147 पुरस्कारों के साथ सफलतापूर्वक आयोजन हुआ। प्रतियोगिता तीन समूहों में आयोजित की गई — ग्रुप A (अंडर-5, 7, 9), ग्रुप B (अंडर-11, 13) तथा ग्रुप C (अंडर-15, 17, 19 एवं सीनियर वर्ग)। इस प्रतियोगिता के ओवरऑल चैंपियंस क्रमशः ग्रुप A में पौषिता पालीवाल, ग्रुप B में पुरंजय चौधरी एवं ग्रुप C में मितांश साहू रहे। प्रत्येक ओवरऑल चैंपियन को 2100 नगद राशि व ट्रॉफी प्रदान की गई। ग्रुप A में अंडर-5 बॉयज़ वर्ग में ग्यान जैन ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 1100 नगद व ट्रॉफी जीती, जबकि धियान जैन को द्वितीय स्थान पर 800 नगद व ट्रॉफी प्रदान की गई। अंडर-7 बॉयज़ में धनविन शर्मा प्रथम स्थान पर रहे और 1100 नगद व ट्रॉफी प्राप्त की, प्रियांश पगारिया द्वितीय स्थान पर 800 नगद व ट्रॉफी तथा वीराज दरक तृतीय स्थान पर 600 नगद व ट्रॉफी के साथ सम्मानित हुए। अंडर-7 गर्ल्स वर्ग में मनन्या चौधरी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 700 नगद व ट्रॉफी जीती, जबकि लिथिशा शर्मा द्वितीय स्थान पर 500 नगद व ट्रॉफी से सम्मानित हुईं। अंडर-9 बॉयज़ वर्ग में विहार करिवाल ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 1100 नगद व ट्रॉफी, अयांश दलाल द्वितीय स्थान पर 800 नगद व ट्रॉफी तथा उन्नत अहारी तृतीय स्थान पर 600 नगद व ट्रॉफी प्राप्त की। अंडर-9 गर्ल्स में सान्ची जैन प्रथम स्थान पर 700 नगद व ट्रॉफी एवं तश्वी शर्मा द्वितीय स्थान पर 500 नगद व ट्रॉफी से सम्मानित हुईं। ग्रुप B में अंडर-11 बॉयज़ वर्ग में परम वाधवानी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 1100 नगद व ट्रॉफी जीती, भव्यांश मुकेश शर्मा द्वितीय स्थान पर 800 नगद व ट्रॉफी तथा अगस्त्य लोढ़ा तृतीय स्थान पर 600 नगद व ट्रॉफी प्राप्त की। अंडर-11 गर्ल्स वर्ग में विहाना कोठारी ने प्रथम स्थान पर 700 नगद व ट्रॉफी, जबकि लोरिशा कोठारी द्वितीय स्थान पर 500 नगद व ट्रॉफी प्राप्त की। अंडर-13 बॉयज़ वर्ग में धनंजय शुक्ला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर 1100 नगद व ट्रॉफी जीती, दर्श राठी को द्वितीय स्थान पर 800 नगद व ट्रॉफी एवं अर्शिल खान को तृतीय स्थान पर 600 नगद व ट्रॉफी प्रदान की गई। अंडर-13 गर्ल्स वर्ग में पारिधि लोढ़ा ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 700 नगद व ट्रॉफी तथा दिशिता मोदी ने द्वितीय स्थान पर 500 नगद व ट्रॉफी जीती। ग्रुप C में अंडर-15 बॉयज़ वर्ग में अनिरुद्ध साहू ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 1100 नगद व ट्रॉफी जीती, जेनिल परमार द्वितीय स्थान पर 800 नगद व ट्रॉफी तथा कविश व्यास तृतीय स्थान पर 600 नगद व ट्रॉफी के साथ सम्मानित हुए। अंडर-15 गर्ल्स वर्ग में खुशमिता पालीवाल को प्रथम स्थान पर 700 नगद व ट्रॉफी तथा चार्वी महेश्वरी को द्वितीय स्थान पर 500 नगद व ट्रॉफी प्रदान की गई। अंडर-17 बॉयज़ वर्ग में हार्दिक गुप्ता प्रथम स्थान पर 1100 नगद व ट्रॉफी, तनुज सोलंकी द्वितीय स्थान पर 800 नगद व ट्रॉफी तथा दिव्यराज सिंह राणावत तृतीय स्थान पर 600 नगद व ट्रॉफी से सम्मानित हुए। अंडर-17 गर्ल्स वर्ग में मनस्वी पालीवाल ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 700 नगद व ट्रॉफी हासिल की। अंडर-19 बॉयज़ वर्ग में हिमांक सोनी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 1100 नगद व ट्रॉफी तथा अंडर-19 गर्ल्स वर्ग में खुशी मेनारिया ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 700 नगद व ट्रॉफी प्राप्त की। सीनियर वर्ग में सूरज साहू ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 1100 नगद व ट्रॉफी, सुधाकर द्वितीय स्थान पर 800 नगद व ट्रॉफी तथा रोहन पंचाल तृतीय स्थान पर 600 नगद व ट्रॉफी के साथ सम्मानित हुए। इस प्रतियोगिता में सभी वर्गों में तीसरे से दसवें स्थान पर आने वाले खिलाड़ियों को ट्रॉफियाँ प्रदान की गईं तथा सभी प्रतिभागियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया।

राजस्थान पुलिस और इंडिया पुलिस फाउंडेशन द्वारा स्कूली छात्रों के लिए कम्युनिटी पुलिसिंग जागरूकता कार्यशाला का भव्य शुभारंभ



24 न्यूज अपडेट

जयपुर 10 नवंबर। राजस्थान पुलिस ने इंडिया पुलिस फाउंडेशन (IPF) के मार्गदर्शन में एक महत्वाकांक्षी जागरूकता कार्यक्रम शुरू किया है, जिसका उद्देश्य कक्षा 9 से 12 तक के छात्र-छात्राओं को पुलिस के व्यापक उत्तरदायित्वों और सामुदायिक सुरक्षा में उनकी भूमिका के बारे में शिक्षित करना है। महानिदेशक पुलिस श्री राजीव शर्मा एवं अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस कम्यूनिटी पुलिसिंग श्रीमती लता मनोज कुमार के निर्देशन में मुख्य प्रबन्धक आइपीएफ श्रीमती पूनम अरोड़ा और सेवानिवृत्त आईपीएस श्रीमती विमला मेहरा के नेतृत्व में यह कार्यक्रम जयपुर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के दो चयनित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों लक्ष्मण डूँगरी (गलतागेट) और एस.के. एन. विद्यालय जोबनेर में शुरू हुआ।

कम्यूनिटी पुलिसिंग के नोडल अधिकारी पंकज चौधरी आईपीएस ने इस पहल के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्रों की सुरक्षा, अपराध रोकथाम, और सामुदायिक कल्याण में पुलिस अधिकारियों की बहुमुखी भूमिकाओं के प्रति जागरूकता और समझ को बढ़ाना है। इसका लक्ष्य देश में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और कमजोर वर्गों जैसे महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की सुरक्षा के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना भी है।

श्री चौधरी ने बताया कि ये विशेष कार्यशालाएं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लक्ष्मण डूँगरी में 10 से 12 नवंबर तक और एस.के.एन. विद्यालय, जोबनेर में 13 से 15 नवंबर तक आयोजित की जा रही हैं।

इन कार्यशालाओं की विशिष्टता यह है कि यहाँ छात्रों को देश के जाने-माने सेवानिवृत्त और सेवारत अधिकारियों से सीखने का अवसर मिल रहा है। गेस्ट फैकल्टी में सेवानिवृत्त डीजीपी श्री ओमप्रकाश और श्री अमोद कंठ न्याय एवं किशोर गृह जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दे रहे हैं। इसके अतिरिक्त यूनिसेफ राजस्थान के प्रतिनिधि बाल अधिकार, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (यातायात) साइबर सुरक्षा और यातायात नियमों और एसएफएल जयपुर के प्रतिनिधि फॉरेंसिक विज्ञान के महत्व पर व्याख्यान दे रहे हैं। नगर निगम और एसडीआरएफ के प्रतिनिधि अग्निशमन एवं आपदा प्रबंधन पर भी छात्रों को जागरूक कर रहे हैं।

इस पूरे कार्यक्रम का निकट पर्यवेक्षण कम्युनिटी पुलिसिंग नोडल अधिकारी श्री पंकज चौधरी और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कालूराम मीना, श्री नरेश कुमार शर्मा व श्री संजय कुमार शर्मा द्वारा किया जा रहा है। सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ, छात्रों को पुलिस थाने और अग्निशमन केन्द्र का प्रत्यक्ष भ्रमण भी करवाया जाएगा, जिससे उन्हें इन संस्थाओं की कार्यप्रणाली को करीब से जानने का मौका मिलेगा और पुलिस के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा।

उदयपुर की महिला का ट्रेन में मोबाइल चुराने वाला भीलवाड़ा से गिरफ्तार, जीआरपी चित्तौड़गढ़ की टीम की बड़ी कार्रवाई



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। चित्तौड़गढ़ जीआरपी पुलिस ने उदयपुर-रतलाम एक्सप्रेस ट्रेन में हुई चोरी के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को भीलवाड़ा जिले के बिजौलिया क्षेत्र से पकड़ा गया। पुलिस ने उसके पास से चोरी किया गया मोबाइल फोन बरामद किया है, जिसकी कीमत करीब 15 हजार रुपए बताई जा रही है।

यात्रा के दौरान नींद खुली तो गायब मिला बैग

जीआरपी थानाधिकारी अनिल देवल ने बताया कि मामला 2 सितंबर का है। रतलाम हाल बड़गांव, उदयपुर निवासी प्रिया (25) पत्नी जितेंद्र पूरी गोस्वामी उदयपुर-रतलाम एक्सप्रेस के जनरल कोच में यात्रा कर रही थीं। देर रात जब ट्रेन चित्तौड़गढ़ और निंबाहेड़ा के बीच पहुंची, तो प्रिया की नींद खुली और उन्होंने देखा कि सीट पर रखा बैग गायब है। बैग में करीब एक हजार रुपए नकद और एक मोबाइल फोन रखा हुआ था।

रतलाम में रिपोर्ट, जांच चित्तौड़गढ़ जीआरपी को सौंपी गई

घटना की शिकायत पीड़िता ने रतलाम जीआरपी थाने में दर्ज कराई, जिसके बाद जांच चित्तौड़गढ़ जीआरपी को ट्रांसफर की गई। जांच का जिम्मा हेड कांस्टेबल रुद्रप्रताप सिंह को सौंपा गया, जिन्होंने विशेष टीम गठित कर मामले की तहकीकात शुरू की।

सीसीटीवी और मोबाइल ट्रेसिंग से मिला सुराग

पुलिस टीम ने मुखबिरों की सहायता ली और रेलवे स्टेशनों व ट्रेनों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। साथ ही मोबाइल ट्रेसिंग से आरोपी का लोकेशन भीलवाड़ा जिले में मिला, जिसके बाद टीम सक्रिय हुई।

भीलवाड़ा से दबोचा गया आरोपी, कबूल किया जुर्म

सूचना पर पुलिस ने भीलवाड़ा के बिजौलिया निवासी सोहन उर्फ सोनू (36) पुत्र चतरा बंजारा को डिटेन किया। पूछताछ में उसने ट्रेन में चोरी करने की बात स्वीकार कर ली। आरोपी मजदूरी का काम करता है और अवसर मिलने पर चोरी की वारदात को अंजाम दे बैठा। चोरी का मोबाइल बरामद, आगे की जांच जारी जीआरपी ने आरोपी के कब्जे से चोरी हुआ मोबाइल फोन बरामद कर लिया है। इस कार्रवाई में एएसआई गिरधारी सिंह और कांस्टेबल भोजराज की भी भूमिका रही। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगा रही है कि क्या वह अन्य चोरी की वारदातों में भी शामिल रहा है।

फर्जी नाम और पहचान का इस्तेमाल करने वाला आरोपी विवेक कुमार पुलिस की गिरफ्त में, शिवाजी पार्क थाने में दर्ज हुआ था मुकदमा



24 न्यूज अपडेट

जयपुर 10 नवंबर। अलवर पुलिस ने एक शातिर साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है, जिसने नीट परीक्षा में सफलता और जयपुर के सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में एडमिशन दिलाने के नाम पर एक परिवादी से 85 लाख की धोखाधड़ी की थी।

अलवर पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि 8 दिसंबर 2021 को थाना शिवाजी पार्क में एक परिवादी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी विवेक ने अपना फर्जी नाम विनोद सिंह बताकर उनके पुत्र को नीट परीक्षा में पास करवाने और एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर में एडमिशन दिलाने का वादा किया।

आरोपी ने धोखाधड़ी करते हुए परिवादी से 85 लाख रुपये की ठगी की। इस संबंध में थाना शिवाजी पार्क में मुकदमा दर्ज किया गया था।

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कांबले शरण गोपीनाथ आईपीएस और वृत्ताधिकारी उत्तर शहर अंगद शर्मा के निकटतम सुपरविजन में यह कार्रवाई की गई। थानाधिकारी विनोद सामरिया के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने आसूचना संकलन और तकनीकी सहायता का उपयोग करते हुए शातिर आरोपी को ट्रैक किया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान विवेक कुमार उर्फ विनित जोशी उर्फ राहुल राज उर्फ राहुल गुप्ता पुत्र विनोद कुमार उर्फ शंकर जोशी उर्फ दिलीप श्रीवास्तव (32) के रूप में हुई है। आरोपी मूलतः सिवान बिहार का निवासी है, लेकिन वर्तमान में वाराणसी, उत्तर प्रदेश के लंका थाना क्षेत्र में किराए पर रह रहा था।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 01 लैपटॉप और 01 फर्जी आधार कार्ड बरामद किया है। इस सफल ऑपरेशन को अंजाम देने वाली टीम में थानाधिकारी विनोद सामरिया सहित हेड कांस्टेबल रामनिवास, कांस्टेबल अब्बास खान, रिंकू और साइक्लोन सेल से कांस्टेबल लोकेश कुमार शामिल थे।

उदयपुर : किशोर दा के बेटे अमित कुमार और पोती मुक्तिका 12 नवम्बर को सजाएंगे सुरों की शाम,

लोक कला मंडल में होगा "ये शाम मस्तानी" कार्यक्रम, स्थानीय कलाकारों को भी मिलेगा मंच

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। झीलों की नगरी उदयपुर में 12 नवम्बर की शाम संगीत प्रेमियों के लिए खास होने वाली है। इस दिन महान गायक स्वर्गीय किशोर कुमार के बेटे अमित कुमार और पोती मुक्तिका गांगुली भारतीय लोक कला मंडल के मंच से अपने सुरों का जादू बिखेरेंगे। यह आयोजन इंदिरा एंटरप्राइज़, कश्ती फाउंडेशन और अल्टीमेट सोल ऑफ म्यूजिक (यूएसएम) के संयुक्त तत्वावधान में "ये शाम मस्तानी – अमित कुमार लाइव इन कंसर्ट" शीर्षक से किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क रहेगा, लेकिन आमंत्रण पत्र के माध्यम से ही प्रवेश दिया जाएगा।



उदयपुर में बढ़ता उत्साह, संगीतप्रेमियों में रोमांच

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कश्ती फाउंडेशन की फाउंडर श्रद्धा मुर्डिया ने बताया कि आयोजन को लेकर शहर में उत्साह का माहौल है। यह विशेष संध्या प्रसिद्ध आईवीएफ विशेषज्ञ और फिल्म निर्माता डॉ. अजय मुर्डिया के 73वें जन्मदिन के अवसर पर आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम की थीम नीतिज-श्रद्धा, क्षितिज-आस्था मुर्डिया ने तैयार की है, जिसमें इंदिरा मुर्डिया के भाव, अजय मुर्डिया का प्रेम और उदयपुर के संगीत प्रेमियों की पसंद को खूबसूरती से समाहित किया गया है।



स्थानीय कलाकारों को मिलेगा बड़ा मंच

इस मौके पर उदयपुर की प्रतिभाएं भी मंच साझा करेंगी। शहर के युवा कलाकार — गौरव मेड़तवाल, अंकित चौहान, कोमल बारहठ, वायलिन वादिका कनिष्का वर्मा, दिव्यांश शर्मा, कार्तिक सोमपुरा, भवेश वैरागी, युवराज और संदीप — अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। इसके साथ ही यूएसएम ग्रुप के कलाकार भी अपने संगीतमय प्रजेंटेशन देंगे। इसके बाद अमित कुमार और मुक्तिका गांगुली की प्रस्तुतियां होंगी, जिनसे यह शाम यादगार बन जाएगी।

'इंदिरा स्वरांगन' के तहत संगीत की परंपरा जारी

डॉ. अजय मुर्डिया ने बताया कि संगीतप्रेमी इंदिरा मुर्डिया की स्मृति में "इंदिरा स्वरांगन" के तहत शहर में नियमित रूप से संगीतमय संध्याएं आयोजित की जाती रही हैं। वर्ष 2024 में पद्मश्री अनूप जलोटा और गीतकार समीर अंजान की प्रस्तुति हुई थी, जबकि मार्च 2025 में सुरेश वाडकर और निर्देशक विक्रम भट्ट ने अपने सुरों और संगीत से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया था।

कला, संस्कृति और समाज के लिए समर्पित पहल

श्रद्धा मुर्डिया ने बताया कि कश्ती फाउंडेशन का उद्देश्य केवल कला को मंच देना नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का भी है। शिक्षा और संगीत के माध्यम से समाज को जोड़ना ही इस संस्था का प्रमुख लक्ष्य है।

आर्यिका सुप्रज्ञमति माताजी ससंघ का शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में हुआ भव्य मंगल प्रवेश





24 न्यूज अपडेट

खेरवाड़ा,कस्बे के नेमिनाथ मंदिर में चातुर्मासरत विदुषी आर्यिका सुप्रज्ञमती माताजी का नेमीनाथ मंदिर से विहार होकर तहसील रोड स्थित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। दिगंबर जैन समाज के समाजजन अध्यक्ष रमेश चंद्र कोठारी एवं महामंत्री भूपेंद्र जैन के नेतृत्व में प्रातः सात बजे नेमिनाथ जिनालय पहुंचे जहां से आर्यिका संघ की अगवानी करते हुए आजाद चौक, विवेकानंद चौराहा, तहसील रोड होते हुए ढोल नगाड़ों की धुन पर नाचते गाते जय कारा लगाते हुए संघ का शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर में मंगल प्रवेश हुआ। मंगल प्रवेश के दौरान मंदिर के द्वार पर समाज की महिलाओं द्वारा पुष्प वृष्टि की गई। संघ के स्वागत में महिलाओं द्वारा शानदार रंगोली सजाई गई। शोभायात्रा के दौरान श्रावक श्राविकाओं द्वारा जगह जगह आर्यिका का दूध से पाद प्रक्षालन किया गया एवं जयकारों के साथ मंदिर में प्रवेश कराया गया। आर्यिका के श्री मुख से भगवान शांतिनाथ की शांति धारा एवं अभिषेक संपन्न हुआ। प्रवचन से पहले आर्यिका के पाद प्रक्षालन का लाभ हितेश पंचोली परिवार ने एवं शास्त्र भेंट करने का लाभ रमेश चंद्र कोठारी परिवार ने प्राप्त किया। स्थानीय समाज की ओर से हुमड समाज के अध्यक्ष वीरेंद्र वखारिया, मंत्री पंकज शाह, चातुर्मास कमेटी के अध्यक्ष नरेंद्र पंचोली एवं मंत्री कुलदीप जैन को तिलक लगाकर ऊपरना ओढ़ा कर सम्मानित किया गया।

मंदिर के विशाल सभागार में धर्म सभा को संबोधित करते हुए आर्यिका सुप्रज्ञमती माताजी ने मंगल प्रवचन रूपी आशीर्वाद में बताया कि गुरु भक्ति के बिना चारित्र्य निष्फल है। गुरु भक्ति करनी है तो भक्त का गुरु के प्रति सम्मान होना चाहिए। दृष्टांत के माध्यम से बताया गया साधक को बिना बाधा पहुंचाए साधना करने देना चाहिए। जैसी भावना करते हो परिणाम वैसा ही मिलता है। भक्ति से किया गया दान सबसे ज्यादा प्रभावी होता है। आर्यिका ने बताया कि दर्शन ऐसे करो जिससे किसी को अन्तराय न हो साथ ही भक्ति करो मगर समझदारी से करो तथा भीतर में गुरु भक्ति का भाव रखो। धर्म मार्ग में आगे बढ़ना है तो धर्म का ही सहारा लेना पड़ेगा, धर्म क्षेत्र पर किया गया पाप कभी नहीं धुलता है।

इस अवसर पर समाज अध्यक्ष रमेश चंद्र कोठारी, महामंत्री भूपेंद्र जैन, पूर्व अध्यक्ष श्याम सुंदर कोठारी, सतीश चंद्र वाणावत एवं राजेंद्र प्रसाद कोठारी, पूर्व महामंत्री दिनेश जैन, हंसमुख किकावत एवं धनपाल गांगावत, पूर्व उपाध्यक्ष पारस जैन, युवा परिषद के अध्यक्ष विक्रांत कोठारी एवं मंत्री वैभव कोठारी, महिला परिषद की अध्यक्ष शकुंतला कोठारी, हूमड़ समाज अध्यक्ष वीरेंद्र वखारिया, चातुर्मास कमेटी अध्यक्ष नरेंद्र पंचोली, कन्हैया लाल जैन ,महेंद्र कुमार जैन, मनोज कोठारी, विपिन वखारिया, डॉक्टर रितेश शाह, हितेश पंचोली, सुरेश जैन, गणेश चंदावत सहित सकल दिगंबर जैन समाज के सैकड़ो श्रावक श्राविकाएं उपस्थित रही। समारोह का संचालन भूपेंद्र जैन ने किया। अंत में आभार प्रकट युवा परिषद अध्यक्ष विक्रांत कोठारी ने किया।

सरकारी स्कूलों में 460 कॉपियां वितरित की :

राजस्थान समाज सेवा संस्थान का सेवा मन से अभियान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजस्थान समाज सेवा संस्थान उदयपुर द्वारा उदयपुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों के जरूरतमंद बच्चों को 460 कॉपी वितरित की गई। बच्चों को स्टेशनरी वितरित का यह पाचवां चरण था। इससे पहले चार चरणों में पिछले दिनों 600 बच्चों को स्टेशनरी वितरित की गई थी।

संस्थान उपाध्यक्ष मंजूलता ने बताया कि शहर के पोलो ग्राउंड निवासी रूद्राक्ष जैन की स्मृति में उनके पिता गजेंद्र जैन(पूर्व पार्षद) के सहयोग से अभियान के पाचवें चरण में गिर्वा ब्लॉक के राजकीय प्राथमिक विद्यालय निचला फला, सेठ जी की कुंडाल और हनुमान फला स्कूल में कॉपी वितरित की गई। सायरा ब्लॉक के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बागड़ा और गोगुंदा ब्लॉक के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सेमटाल में बच्चों को कॉपी वितरित की गई। इससे पूर्व गोगुंदा, गिर्वा, झाड़ोल और बड़गांव ब्लॉक के स्कूलों में स्टेशनरी वितरित की गई थी।

अब शुरू होगा स्वेटर वितरण

संस्थान के संरक्षक दिनेश कोठारी ने बताया कि राजस्थान समाज सेवा संस्थान उदयपुर द्वारा जल्द ही उदयपुर जिले के सरकारी स्कूलों में कक्षा 1 से 5वीं तक के छोटे बच्चों को स्वेटर वितरित किए जाएंगे। संस्थान ने इसकी तैयारी कर ली है।

महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में

स्वदेशी संकल्प कार्यक्रम आयोजित



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 10 नवम्बर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर में "वंदे मातरम् 150" एवं "स्वदेशी संकल्प" कार्यक्रम का आयोजन कुलगुरू प्रो. (डा.) प्रताप सिंह के दिशा-निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव अशोक कुमार, वित्त नियंत्रक दर्शना गुप्ता सहित प्रशासनिक कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सभी उपस्थितजनोंने स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने, भारतीय उत्पादों को प्राथमिकता देने और देश की आर्थिक आत्मनिर्भरता में योगदान देने का संकल्प लिया। प्रतिभागियों ने दैनिक जीवन में अधिकतम भारतीय उत्पादों का उपयोग करने, आयातित वस्तुओं की जगह देसी विकल्प अपनाने, गाँव, किसान व कारीगरों का समर्थन कर स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने तथा युवाओं को स्वदेशी के प्रति प्रेरित करने जैसे महत्वपूर्ण संकल्प लिए।

कुलगुरू प्रो. (डा.) प्रताप सिंह ने कहा कि "स्वदेशी संकल्प कार्यक्रम आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में एक सशक्त पहल है। इससे न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।" उन्होंने सभी को आह्वान किया कि वे अपने घर, कार्यस्थल और सामाजिक जीवन में स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें और पर्यावरण-अनुकूल वस्तुओं के प्रयोग के लिए जनजागरण फैलाएं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार ने भारत माता की सेवा और सम्मान के लिए मिलकर स्वदेशी अपनाने का संकल्प लिया। यह जानकारी रामनारायण कुम्हार सह जनसंपर्क अधिकारी महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर ने दी।

राष्ट्रीय पायथन गेम्स में राजस्थान की चमक

उदयपुर की पलक गुर्जर व टीम ने जीता ब्रॉन्ज मेडल

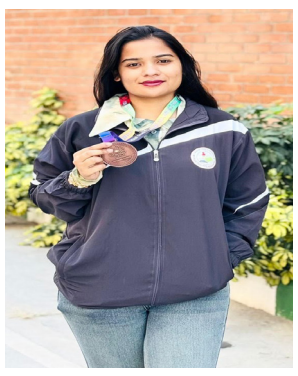

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बेंगलुरु में आयोजित राष्ट्रीय पायथन गेम्स प्रतियोगिता में राजस्थान की टीम ने शूटिंग में शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। यह प्रतियोगिता 7 से 9 नवंबर तक चली, जिसमें देशभर से चुनिंदा राज्य स्तरीय टीमें शामिल हुईं। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने उत्साह, कौशल और रणनीति का शानदार समन्वय दिखाया।

राजस्थान टीम की इस कामयाबी में उदयपुर की प्रतिभाशाली खिलाड़ी पलक गुर्जर का योगदान बेहद सराहनीय रहा। पलक ने अपनी तेज रणनीतिक समझ और शांत नेतृत्व क्षमता से टीम को आगे बढ़ाया और निर्णायक मुकाबलों में जीत की दिशा तय की। उनके प्रदर्शन ने न केवल टीम का मनोबल बढ़ाया बल्कि राजस्थान के नाम को राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दी। पलक ने इससे पहले भी कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

प्रतियोगिता के समापन पर चयनित खिलाड़ियों को अब अंतरराष्ट्रीय पायथन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। पलक और उनकी टीम की इस उपलब्धि से पूरे प्रदेश में खुशी की लहर है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस सफलता से राजस्थान में पायथन खेल के प्रति युवाओं में नई ऊर्जा और रुचि का संचार होगा।

केंद्रीय अध्यक्ष जगदीश पूर्बिया का सम्मान



24 न्यूज अपडेट

पूर्बिया कलाल समाज ओंगणा द्वारा समाज नोहरे में समाज अध्यक्ष नरेश पूर्बिया के नेतृत्व में नवनिर्वाचित केंद्रीय अध्यक्ष जगदीश पूर्बिया को उपरणा ओढ़ाकर पंगडी पहनाकर स्वागत व अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झाड़ोल ईकाई अध्यक्ष प्रभुलाल पूर्बिया व उदयपुर ईकाई पूर्व अध्यक्ष भरत पूर्बिया थे।

कार्यक्रम में राम चन्द्र पूर्बिया, नोजी राम पूर्बिया, विनोद पूर्बिया, मुकेश पूर्बिया, त्रिलोक पूर्बिया,दली चंद पूर्बिया, नन्द लाल पूर्बिया,कमल पूर्बिया, गुलाब चंद पूर्बिया , रतनलाल, महावीर, हिम्मत लाल, रोशन मोहनलाल, रोशन भंवरलाल, प्रकाश पूर्बिया,हाकर चंद, भेरुलाल, पंकज, विजेश, घनश्याम, ओमप्रकाश,ललीत,हंस राज,मदन चौधरी,भीलू लाल पूर्बिया सहित कई गणमान्य समाज बंधु उपस्थित थे ।

सलूंबर में सरदार पटेल @150 यूनिटी मार्च - तिरंगा थामे सैकड़ों युवाओं ने दिया एकता का संदेश, देशभक्ति के नारों से गूंजा नगर



24 न्यूज अपडेट

सलूंबर, 10 नवंबर। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में शनिवार को सलूंबर जिला मुख्यालय पर 'एक भारत, आत्मनिर्भर भारत यूनिटी मार्च' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में दीप प्रज्वलन और पुष्पांजलि के साथ हुआ। मुख्य अतिथियों में विधायक शांता देवी मीणा, भाजपा जिला महामंत्री कन्हैयालाल मीणा, जिला संयोजक चंद्रशेखर जोशी तथा अतिरिक्त जिला कलेक्टर डा. दिनेश राय सापेला शामिल रहे।

देशभक्ति के नारों से गूंजे रास्ते सैकड़ों छात्र-छात्राओं, युवाओं, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट-गाइड सदस्यों और नागरिकों ने हाथों में तिरंगा लेकर "भारत माता की जय" और "सरदार पटेल अमर रहें" के जयघोष के साथ पदयात्रा की। यह रैली विधायक मीणा और एडीएम सापेला के नेतृत्व में चुंगी नाका, बस स्टैंड सर्किल, सूरजपोल, गांधी चौक, रावली पोल और पाल दरवाजा मार्गों से होती हुई पुनः विद्यालय परिसर में संपन्न हुई। मार्ग में जगह-जगह पुष्पवर्षा से मार्च का स्वागत किया गया। डीजे पर बजती देशभक्ति धुनों के बीच कार्यकर्ताओं और युवाओं के कदम थिरक उठे तथा पूरा सलूंबर नगर एकता और देशभक्ति के रंग में रंग गया।

नेताओं ने दिया राष्ट्रनिर्माण का संदेश विधायक शांता देवी मीणा ने कहा कि "अखंड भारत का सपना सरदार पटेल ने देखा था, अब हमारी जिम्मेदारी है इसे बनाए रखने और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने की।" भाजपा जिला महामंत्री कन्हैयालाल मीणा ने युवाओं से राष्ट्रनिर्माण और सामाजिक भागीदारी में आगे आने का आह्वान किया। जिला संयोजक चंद्रशेखर जोशी ने कहा कि "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के माध्यम से सरदार पटेल के योगदान को अमर कर नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से जोड़ने का कार्य किया है।"

एकता, स्वदेशी और नशा मुक्ति की शपथ

कार्यक्रम में एडीएम डा. सापेला ने उपस्थित जनसमूह को "एक भारत, श्रेष्ठ भारत", "आत्मनिर्भर भारत", "स्वदेशी अपनाओ" और "नशा मुक्ति" की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर भाजपा जिला पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, विद्यालयीन छात्र-छात्राएं और नगरवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।